हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

शुक्रवार, 13 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 101 04 पेज, मूल्य ₹1.00

सीएम ने मंत्रियों संग की समीक्षा, उप चुनाव पर रहा फोकस

हर 4 माह में बदलेंगे जिलों के प्रभारी मंत्री

अयोध्या से हटाकर शाही को लखनऊ, खन्ना को अम्बेडकरनगर व गोरखपुर का प्रभार

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आज उनके सरकारी आवास पर आहूत मंत्रिमण्डल की बैठक में उप मुख्यमंत्रीद्वय, मंत्रियों, राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) तथा राज्य मंत्रियों को नवीन जनपदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं और दोनों उप मुख्यमंत्रियों को 25-25 जनपदों की समीक्षा हेतु जिम्मेदारी भी सौंपी है। इसमें 04-04 माह के रोटेशन पर जनपदों का प्रभार परिवर्तित होता रहेगा। मुख्यमंत्री जी ने मंत्रिमण्डल के सभी सदस्यों को आपसी समन्वय से और संगठन को साथ लेकर चलने का आग्रह किया है। उन्होंने सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं को जनता तक ले जाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ होना है। सभी प्रभारी मंत्रिगण अपने-अपने प्रभार के जनपद में इस कार्यक्रम में ■ शेष पेज 04 पर

सुलतानपुर में पुलिस कार्रवाई से सराफा कारोबारी संतुष्ट

लखनऊ, एजेंसी।

सुल्तानपुर में सराफा प्रतिष्ठान पर डकैती डालने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट कारोबारियों का मानना है कि डकैत डर की ही भाषा समझते हैं, जब तक डर नहीं होगा, तब तक घटनाएं नहीं रुकेंगी।उत्तर प्रदेश रिटेलर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि लूटकांड का खुलासा कर पांचों अपराधी पकड़े गए और पूरा मॉल बरामद हुआ। पुलिस ने जाति-धर्म देखकर यह कार्य नहीं किया। उम्मीद है कि इसी तरह पुराने पेंडिंग केस भी खुलेंगे। सराफा व्यापारी मुख्यमंत्री योगी और पुलिस अधिकारियों के आभारी हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन में नार्थ इंडिय हेड अनुराग रस्तोगी ने कहा किसुल्तानपुर में हुई डकैती में पुलिस ने शानदार गुडवर्क किया है।

दिल्ली शराब घोटाला

केजरीवाल को जेल या बेल! फैसला आज

नई दिल्ली, एजेंसी।

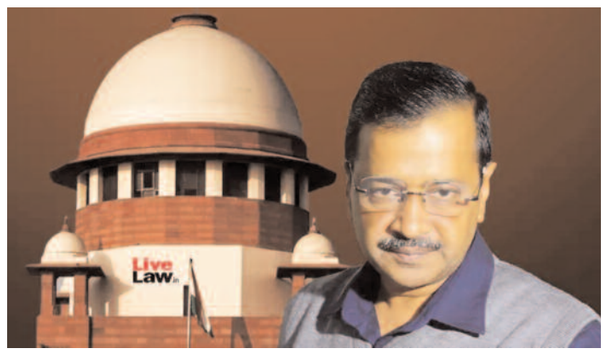

उच्चतम न्यायालय दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत की मांग और इसी मामले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिकाओं पर शुक्रवार 13 सितंबर को अपना फैसला सुनाएगा।

शीर्ष अदालत की बेवसाइट के मुताबिक न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ अपना फैसला सुनाएगी। याचिकाकर्ता केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की घंटों दलीलें के बाद पीठ ने पांच सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।आम आदमी पार्टी के प्रमुख श्री केजरीवाल ने सीबीआई मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 05 अगस्त को अपनी याचिकाएं ठुकरा दिए जाने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई) के कथित और अनियमितताओं के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च और सीबीआई में 26 जून 2024 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई की गिरफ्तारी के समय वह ईडी के मुकदमे में न्यायिक हिरासत में थे। सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च ■ शेष पेज 04 पर

खास खबर

नहीं रहे माकपा नेता सीताराम येचुरी

नयी दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी का लम्बी बीमारी के बाद गुरुवार को नयी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। श्री येचुरी को 19 अगस्त को फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत के एम्स में भर्ती कराया गया था। वह गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) भर्ती थे। तबियत ज्यादा खराब होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था, जहां उन्होंने आज अंतिम सांस ली।श्री येचुरी 2015 पार्टी के महासचिव चुने गये थे। वह राज्यसभा के सदस्य रह चुके थे। उन्हें 2016 में सर्वश्रेष्ठ सांसद का सम्मान दिया गया था।

येचुरी के निधन पर योगी ने जताया शोक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीताराम येचुरी के निधन पर शोक जताया।योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) के महासचिव व पूर्व राज्य सभा सांसद सीताराम येचुरी का निधन दुःखद है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा उनके शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।गौरतलब है कि 72 वर्षीय सीताराम येचुरी काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका दिल्ली के एम्स में इलाज चल रहा था, जहां गुरुवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 2005 से 2017 तक राज्यसभा के सांसद रहे।

येचुरी का शव एम्स को दान किया जाएगा

नयी दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने गुरुवार को कहा कि पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी के पार्थिव शरीर को जनता के दर्शन के लिए शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय पर रखा जाएगा तथा बाद में उनकी इच्छा के अनुसार नयी दिल्ली के एम्स को दान कर दिया जाएगा। माकपा की केंद्रीय समिति की ओर से जारी बयान में कहा गया है, कॉमरेड सीताराम येचुरी का पार्थिव शरीर 14 सितंबर को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) मुख्यालय, ए.के. गोपालन भवन, गोल मार्केट, नयी दिल्ली में जनता के दर्शन और श्रद्धांजलि के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रखा जाएगा।

नए सत्र का किया शुभारंभ, सीएम योगी बोले - 57 जनपदों, 350 तहसीलों, 825 विकासखंडों में बनाएंगे

अटल आवासीय स्कूल

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों, कोविड काल में निराश्रित हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पात्र बच्चों के शैक्षिक उत्थान तथा व्यक्तित्व विकास के लिए श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर गत वर्ष प्रदेश के 18 मण्डलीय मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालय प्रारम्भ किए गए। इन विद्यालयों में निःशुल्क विश्वस्तरीय आवासीय सुविधायुक्त शिक्षा की व्यवस्था की गयी है, जिससे विद्यार्थी समाज की मुख्यधारा से जुड़कर स्वयं सक्षम तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अटल आवासीय विद्यालय सिठौली कला, मोहनलालगंज में अटल आवासीय विद्यालयों के द्वितीय शैक्षणिक सत्र (2024-25) का शुभारम्भ करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रवेशित विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री व स्कूल बैग प्रदान किए। इसके पूर्व, उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई शैक्षणिक क्रियाकलापों से सम्बन्धित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी कहते थे, कि अशिक्षा व अभाव का निडरतापूर्वक सामना करने वाले समाज को सुरक्षित व समृद्ध होने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। अशिक्षा तथा अभाव समाज के सबसे बड़े दुश्मन हैं। अकर्मण्यता, गरीबी, अराजकता तथा भ्रष्टाचार से अभाव उत्पन्न होता है। भ्रष्टाचार व अभाव आदि जंगलराज, अव्यवस्था, असुरक्षा व असम्मान का कारण बनते हैं। समाज को सही दिशा तथा नेतृत्व न मिलने के कारण अशिक्षा जैसी बुराइयां तेजी के साथ फैलती हैं। जब समाज का बड़ा ■ शेष पेज 03 पर

लापरवाह चिकित्सक पर गिरी गाज

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, फरीदपुर, बरेली में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. सना शाहिद को लगातार अनुपस्थित रहने के चलते एक माह का नोटिस देकर बर्खास्त किए जाने के निर्देश प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को दिए गए हैं। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में लापरवाह चिकित्सकों पर कार्रवाई जारी है। लापरवाही करने वाले चिकित्सकों की वेतन वृद्धियां रोकी गई हैं। महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय, ज्ञानपुर, भदोही में तैनात डॉ. सूर्य कुमार शुक्ला पर आरोप लगा कि उनकी लापरवाही से भर्ती मरीज डॉ. कुसुम की मृत्यु हो गई थी। ■ शेष पेज 03 पर

आरक्षण विरोधी हैं मायावती : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि बहुजन समाज पार्टी(बसपा) प्रमुख मायावती दलितों आदिवासियों तथा पिछड़ों के हितों की दुश्मन तथा आरक्षण विरोधी हैं।कांग्रेस के असंगठित क्षेत्र के श्रमिक एवं कर्मचारी विभाग के प्रमुख डॉ. उदित राज ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब राहुल गांधी जी संघ और भाजपा पर हमला करते हैं तो दर्द मायावती जी को होता है। बीस मई, 2007 को मायावती जी ने एक शासनादेश निकाला जिसमें कहा गया कि एससी एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम-1989 के कानून में बदलाव होगा और यह केवल हत्या- बलात्कार के मामले में ही लागू होगा। बाकी अपराधों में साधारण कानून के तहत एक्शन होगा। लेकिन जब हमने लड़ाई लड़ी तब सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की थी और कानून बहाल हुआ। यह दिखाता है कि इस कानून की हत्या मायावती जी ने की थी।पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे में भी हमने लड़ाई लड़ी थी, जिसमें हमने केस जीता लेकिन मायावती जी ने फाइल की कार्यवाही पूरी नहीं की जिसके चलते उप्र में बड़ी संख्या में कर्मचारी डिमोट हुए।प्रवक्ता ने कहा, वर्ष 2006 में कांग्रेस ने वन अधिकार एक्ट पास किया था।

अखिलेश की एनकाउंटर पर सियासत

भड़के योगी के मंत्री

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में जाति देखकर फर्जी एनकाउंटर के समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोप पर भड़के योगी सरकार के मंत्रियों ने पलटवार करते हुये कहा कि डकैतों को संरक्षण देने वाली सपा के मुखिया का अपराधी को लेकर संवाददाता सम्मेलन बुलाना उनकी राजनीतिक सोच को दर्शाता है।गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज दोपहर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुये कहा था कि पुलिस फर्जी एनकाउंटर कर दलित,पिछड़े और अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। अखिलेश के बयान से भड़के योगी के मंत्रियों ने कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। सराफा एसोसिएशन ने भी सुल्तानपुर डकैती के खुलासे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस की तारीफ की है। अब अखिलेश यादव बताएं मगेश अपराधी था कि नहीं। वह किसी अपराधी को लेकर भला कैसे प्रेस कांफ्रेंस कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि

मुसलमान मारे जाने पर अखिलेश की जुबान नहीं खुलती: राजभर

जबसे उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से कानून व्यवस्था चुस्त और अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं। सुल्तानपुर में ज्वेलर्स के यहां हुई दिनदहाड़े डकैती में सपा समेत विपक्षी पार्टियों के लोग डकैतों के संरक्षण का काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि सुल्तानपुर की घटना में सरकार ने गंभीरता से जांच कराई है। तथ्यों पर जानकारी एकत्र की है, जो लोग वांछित थे सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन निकाल, वांछित लोगों की पहचान कर कार्रवाई की। सुल्तानपुर की घटना हो या प्रदेश की अन्य ■ शेष पेज 04 पर

सपा के डीएनए में गुंडई और अराजकता: ब्रजेश पाठक

मठाधीश-माफिया में फर्क नहीं: अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मठाधीश और माफिया में ज्यादा फर्क नहीं होता है। भाजपा चुनाव हार गई है। मुख्यमंत्री जी गुस्से में घूम रहे हैं। भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को फर्जी एनकाउण्टर की राजधानी बना दिया है। नकारात्मक दिल और दिमाग वाले विनाश ही कर सकते हैं विकास नहीं कर सकते है। जो हार्ट लेस हैं उससे कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है। भाजपा सरकार में जमींनों की लूट और चरम पर भ्रष्टाचार के साथ झूठे एनकाउण्टर के नाम पर हत्याएं हो रही है। श्री अखिलेश यादव आज पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर की घटना में झूठे एनकाउण्टर की कहानी गढ़ी जा रही है। सबको पता है कि एनकाउण्टर के नाम पर हत्या की जाती है। मंगेश यादव की हत्या हुई है। गांव से लेकर आस-पास के लोग जानते हैं कि रात में पुलिस आई थी और उठाकर ले गई। मुख्यमंत्री जी को घर परिवार और उसके मां-बहन का दर्द समझ में नहीं आ रहा है।

श्री यादव ने कहा कि कैसा दिमाग है कि होसियारी दिखाते हुए चप्पल में जाकर एनकाउण्टर कर दिया। फोटो में साफ दिख रहा है कि झूठा एनकाउण्टर हुआ है। इसके पहले भी उत्तर प्रदेश ■ शेष पेज 04 पर

अखिलेश के बयान पर संतों ने जतायी नाराजगी

अयोध्या, एजेंसी।

मठाधीशों की तुलना माफिया से किये जाने के समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान से संत समाज आहत हुआ है।श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा कि संत-महंतों के विरुद्ध सपा मुखिया का बयान बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

अयोध्या से भुवनेश्वर जाते समय उन्होने कहा कि अखिलेश यादव का बयान चाहे जिस परिपेक्ष्य में आया हो,संत समाज इससे बहुत आहत हुआ है। एक खास वर्ग को खुश करने के लिये बात बात पर सनातन धर्म और संत महात्माओं पर कटाक्ष करना आम होता जा रहा है।उन्होने कहा कि अखिलेश को शायद पता नहीं है कि मठ-मंदिर संभालने वाले संत होते हैं, जो परिवार और सुख-सुविधा को त्याग कर यह व्यवस्था संभालते हैं। मंदिर में ठाकुर जी की सेवा में दिन रात संत लोग लगे रहते हैं।

समाजसेवा, राष्ट्र सेवा और धर्म सेवा इनका मूल मंत्र है। ऐसे में मठाधीश और माफिया को एक साथ जोडा कुंठित मानसिकता का परिचायक है।महंत ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के समय इन्ही समाजवादियों ने कारसेवकों के ऊपर गोली चलवायी थी और आज उन्हें मठ-मंदिर में माफिया दिखायी पड़ता है।

अयोध्या में चल रही है जमीन की लूट घसोट: अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और अधिकारी जमीन की लूट घसोट कर रहे हैं।श्री यादव ने गुरुवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा के नेताओं ने अधिकारियों की मिलीभगत से अयोध्या को लूट का अड्डा बना दिया है। सेना की फायरिंग रेंज की जमीन को कौडियों के दाम में बेच दिया गया है। किसानो को डरा कर उनकी जमीन को औनेपौने दाम पर खरीदा गया है। सरकार के अधिकारी और भाजपा के लोग लूट में लग गए है और जहां लूट होगी वहां विकास की कल्पना नहीं की जा सकती।उन्होने कहा कि सपा के अयोध्या के नेताओ ने आज लूट का काला चिट्ठा खोला है।

अब सोचिए जब राम की नगरी में लूट का यह हाल है तो पूरे प्रदेश में कितनी लूट हो रही होगी। राम मंदिर को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में भाजपा के नेताओं ने सस्ती दरों पर जमीने हथियानी शुरू कर दी और किसानों की सर्किल रेट को बढ़ाने की मांग की नजरअंदाज कर दिया और जब इन्होंने किसानों से सस्ते दामो में जमीनें ले ली,अब सर्किल रेट बढ़ा दिये गये हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा सरकार के नेताओ,और अधिकारियों की सूची और रजिस्ट्रियां हमारे पास है।

इन्होंने सेना की जमीन पर कब्जा कर लिया, जिस डिफेंस की ओर कोई नही देखता,उस जमीनों को इन्होंने बेंच दिया। अपनी सुविधा के लिए रेलवे की लाइन बदल दी और उस जमीन को सरकारी अधिकारियों और भाजपा नेताओं ने हथिया लिया जबकि नयी रेल लाइन डालने के नाम पर कई घरों को खाली करने के नोटिस थमा दिये।

उन्होने कहा कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का नारा देने वालों ने गरीबों और किसानो को आवास विकास का डर दिखा कर उनसे सस्ते ■ शेष पेज 04 पर

सम्पादकीय

राहुल ने बताई वस्तुस्थिति

अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में जो कुछ कहा गया उसे लेकर कई मुद्दों पर फिर से बवाल हुआ है। टेक्सास के इलास में भारतीयों के बीच उन्होंने जो कहा था, उसे लेकर गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत तकरीबन दो दर्जन भाजपाइयों ने अपनी समझ और पार्टी लाइन के अनुसार राहुल की आलोचना कर दी है। अब वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब के सामने राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसकी आलोचना एवं तोड़-मरोड़ करने योग्य अंश निकालकर भाजपा हमलावर तो है पर राहुल द्वारा व्यक्त विचारों को सही परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की जरूरत सभी को है।अमेरिका किसी भी देश में लोकतंत्र के बनने-बिगड़ने को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने का आदी है। राहुल ने इसी देश की अपनी पिछली यात्रा एक सांसद के रूप में की थी, तो इस बार वे वहां पर विपक्ष के नेता के तौर पर हैं। इस पद की अहमियत को भी लोकतांत्रिक रूप से सजग और परिपक्वयह देश जानता है। पहले के मुकाबले भाजपा का अधिक तिलमिलाना स्वाभाविक तो है लेकिन राहुल देश की वास्तविकताओं से वहां की प्रेस को अवगत करा चुके हैं। हालांकि जिस मंच को उन्होंने सम्बोधित किया वह कोई स्थानीय प्रेस नहीं बल्कि जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है, वह अंतरराष्ट्रीय प्रेस बिरादरी है। जून, 2023 में भी वे इस मंच को सम्बोधित कर चुके थे।पहले तो यह बात कर ली जाये कि उनके किन बयानों को भाजपा अपने पक्ष में मोड़ रही है। आरक्षण को लेकर उन्होंने जो कहा है, उसका आशय यह था कि 'जब आरक्षण खतम करने की स्थिति आयेगी, तब उस पर सोचा जायेगा।' इसे ऐसे पेश किया जा रहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के पक्ष में है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस आरक्षण को 50 प्रतिशत तक करना चाहती है। पाकिस्तान को लेकर पूछे गये सवाल पर उनकी लाइन वही थी जो कांग्रेस की सरकार के रहते थी।उन्होंने कहा कि उस देश से आतंकवादी गतिविधियां संचालित होती हैं। यह सर्वविदित है और पहले से अमेरिका तक इसे कहता आया है। सरकार समर्थक मीडिया इसे मोदी के साथ राहुल का होना बतला रहा है। ऐसे ही, बांग्लादेश में हो रही हिंसा को भी उन्होंने गलत बताया है। बहुत सम्भव है कि भाजपा का आईटी सेल इसे ऐसा प्रस्तुत करे कि 'वहां के अल्पसंख्यकों (हिन्दू) के साथ हो रही हिंसा को लेकर राहुल को भी बयान देना पड़ा।' इन दोनों-तीनों बातों में दम नहीं है और बहुत भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि राहुल के कई बयानों को जिस प्रकार से पहले तोड़ा-मरोड़ा गया था लेकिन वे प्रयास कोई कारगर नहीं हो पाये थे, उसी प्रकार यह दुष्प्रचार भी बहुत लम्बा टिकने वाला नहीं है। ऐसे एक-दो मुद्दों को छोड़ दिया जाये तो भाजपा के पास राहुल की आलोचना हेतु गिने-चुने हथियार ही रह जाते हैं। जैसे, उन्हें इस बात के लिये कोसा जाये कि उन्होंने भारत की बदनामी विदेशी धरती पर की है, आदि।राहुल के भाषण के कंटेंट पर आयें तो कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र की वर्तमान हालत, उसके इस स्थिति तक पहुंचने और भविष्य की तस्वीर का खाका खींचा है। विपक्ष के नेता के तौर पर जो उनका दायित्व है, उन्होंने वह पूरा किया है। उन्होंने बतलाया कि 2014 में, यानी जब भाजपा ने केन्द्र की सरकार बनाई थी, तभी से सत्ता ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे की नींव पर ऐसा हमला करना शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि किस कठिनाई से कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। इसके साथ ही, नरेन्द्र मोदी ने संवाद के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। आम तौर पर लोकतंत्र के लिये काम करने वाले सारे संस्थान बन्द कर दिये हैं।

हिंदुस्तान से लिंचिस्तान !

मुस्लिम आबादी के केंद्रीयकरण की पॉकेट, मेवात के इलाके को केंद्रित कर, गोरक्षा के नाम पर खासतौर पर हिंसक गिरोहों को संगठित किया गया है, जिनकी गतिविधियों ने मेवात के इलाके को देश की मॉब लिंचिंग की राजधानी ही बना दिया है। इसी सिलसिले के हिस्से के तौर पर, पिछले ही साल फरवरी में कथित गोरक्षकों द्वारा नासिर और जुनैद की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी गयी थी।

गोरक्षा के नाम पर, हरियाणा में फरीदाबाद में अठारह-उन्नीस साल के, बारहवीं कक्षा के छात्र, आर्यन मिश्र की हत्या की वारदात के बाद, अगर किसी को यह लग रहा हो कि कम से कम अब, गोरक्षा की आड़ में भीड़ हिंसा तथा भीड़ हत्याओं का सिलसिला थम जाएगा, तो अब उसकी यह गलतफहमी दूर हो जानी चाहिए।ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि जिस कार में आर्यन था उसका तीस किलोमीटर तक गोलियां चलाते हुए पीछा करने वाले और अंततः उसे नजदीक से गोली मारने वाले गिरोह के सरगना, अनिल कौशिश ने बाद में जब आर्यन के घरवालों के सामने अपनी "गलती" मानी और घटना पर पछतावा जताया, तो यह सिर्फ इसका पछतावा था कि मुसलमान के धोखे में, उनके हाथों से एक हिंदू ब्राह्मण लड़का मारा गया था! ऐसा सिर्फ इसलिए भी नहीं है कि पुलिस शुरूआत में सुलह-समझौते की कोशिश करते हुए, मृतक के परिजनों को इसी पर कन्विंस करने में लगी हुई थी कि आर्यन की मौत एक "गलती" थी और यह गलती करने वाले "भले लोग" थे, जिनकी शराफत का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि वे खुद ही गलती होने की बात मान रहे थे!और ऐसा सिर्फ इसलिए भी नहीं है कि सत्ताधारी संघ-भाजपा द्वारा नियंत्रित मीडिया द्वारा अनदेखी के जरिए, इस भयावह त्रासदी को कानून व व्यवस्था का मामूली मामला बनाने की ही कोशिश नहीं की गयी है, इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न तो शासन के किसी प्रतिनिधि ने पीड़ित परिवार की सुध लेने की जरूरत समझी थी और न ही सत्ताधारी संघ-भाजपा जोड़ी का कोई अदना नेता तक उनसे मिलने गया था। यहां तक कि पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की रुटीन घोषणा तक नहीं की गयी थी। इस हृदय विदारक कांड के किसी खास असर को लेकर किसी गलतफहमी की गुंजाइश न होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि खुद को गोरक्षक बताने वाले इस तरह के गोगुंडों का असली सामाजिक-राजनीतिक-वैचारिक सहारा, कथित संघ परिवार इस त्रासदी से जरा सा भी विचलित नजर नहीं आता है। उल्टे स्वघोषित संघ परिवार के निर्विवाद संचालक, राष्ट्रद्रोह स्वयंसेवक संघ या आरएसएस के शीर्ष नेताओं में से एक, इंद्रेश कुमार पटना में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए, मॉब लिंचिंग की भयावह घटनाओं को यह कहकर मामूली बनाते ही दिखाई दे रहे थे कि लिंचिग किसी की भी नहीं होनी चाहिए: 'न कोई इंसान की लिंचिंग और न कोई गाय की लिंचिंग!' इस तरह वह नरहत्या को गोहत्या में बराबरी ही स्थापित नहीं कर रहे थे, वास्तव में गोरक्षा के लिए, मानवहत्या को वैध सही ठहराने की कोशिश कर रहे थे।

आरएसएस के आला नेता से संवाददाताओं ने जब कथित गोरक्षकों द्वारा लिंचिंग की बार-बार होती घटनाओं के बारे में पूछा, जिसके लिए विपक्षी पार्टियां भाजपा के उभार को जिम्मेदार मानती हैं, इंद्रेश कुमार का जवाब था: 'देश और दुनिया के कई हिस्सों में लोग मांस खाते हैं। लेकिन, हमें यह मानना पड़ेगा कि गायों को लेकर लोग संवेदनशील हैं। इसलिए, हमें ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश करनी चाहिए जहां कोई गाय की लिंचिंग न हो और इंसान की लिंचिंग न हो। हमें, विविधता में एकता का आनंद मनाना चाहिए।' यानी जब तक गोकशी होती रहेगी, तब तक उसके जवाब में इंसानों की लिंचिंग होती रहेगी! फिर याद दिला दें कि इंद्रेश कुमार ने यह बयान, कथित गोरक्षकों द्वारा मॉब लिंचिंग की घटनाओं में मोदी-3.0 आने के साथ आयी तेजी की पृष्ठभूमि में दिया था, आर्यन मिश्रा की हत्या जिस सिलसिले की ताजातारीन कड़ी है।इससे चंद रोज ही पहले, हरियाणा में ही चरखी-दादरी में कथित गोरक्षकों ने कूड़ा बीनकर गुजारा करने वाले, दो गरीब बंगाली मुसलमान मजदूरों की दिन-दहाड़े, एक सार्वजनिक जगह पर लिंचिंग की थी, जिसमें साबिर मलिक की मौत हो गयी और असीमुद्दीन को मरा हुआ समझकर छोड़ दिया गया। इस बार मॉब लिंचिंग का बहाना कथित रूप से इसका शक था कि उन्होंने गोमांस खाया हो सकता है। वास्तव में मॉब लिंचिंग से दो-तीन रोज पहले, कथित गोरक्षकों ने इन के खिलाफ गोमांस खाने की आशंका जताते हुए शिकायत भी की थी, जिस पर पुलिस ने उनकी झोंपड़ियों पर दबिश देकर, वहां मिला मांस इसका पता लगाने के लिए जांच के लिए भेज भी दिया था कि वह किस जानवर का मांस था। लेकिन, गड़बड़ी की संभावना के इस अत्यंत स्पष्टद संकेत के बावजूद, हरियाणा पुलिस ने सतर्कता के कोई कदम उठाने की जरूरत ही नहीं समझी। कथित गोरक्षकों ने इसे अपने मन की करने का संकेत माना और मांस के परीक्षण की रिपोर्ट का इंतजार करने के बजाए, दोनों का जबरन अपहरण कर लिया और फिर एक सार्वजनिक स्थल पर ले जाकर, लाठी-डंडों से कातिलाना पिटाई की।पुनः, अपने संघ परिवारी नेता, इंद्रेश कुमार के ही सुर में सुर मिलाते हुए, हरियाणा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री, नायब सैनी ने एक प्रकार से गोमांस खाने के शक को, नरहत्या के लिए पर्याप्त उकसावा बता दिया। इंद्रेश कुमार की ही तरह, भाजपायी मुख्यमंत्री ने लिंचिंग की घटना को "दुर्भाग्यपूर्ण" कहा तो जरूर, लेकिन इस दरिंदगी के लिए तथाकथित गोरक्षकों की निंदा करने की उन्होंने कोई जरूरत नहीं समझी। उल्टे सैनी ने प्रकारांतर से इस मामले में अपनी पुलिस तथा प्रशासन की घोर विफलता को एक प्रकार से स्वाभाविक ही करार देते हुए कहा कि ऐसी बातों से लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। इसीलिए, उनकी सरकार ने गोरक्षा के लिए कड़ा कानून बनाया था। इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। और अंत में यह कि गांवों में लोगों की भावनाएं भड़क जाएं, तो कौन रोक सकता है? दूसरी ओर, भाजपायी मुख्यमंत्री ने जोर देकर दावा किया कि चरखी-दादरी में जो हुआ, उसे मॉब लिंचिंग कहना गलत था। शायद सैनी के अनुसार, यह क्रिया की स्वाभाविक प्रतिक्रिया का मामला था– गोमांस खाने के शक में हत्या!

हरियाणा में लिंचिंग की इन हालिया घटनाओं से और खासतौर पर चरखी-दादरी और फरीदाबाद की कथित गोरक्षकों द्वारा हत्या की घटनाएं जिस तरह, एक के फौरन बाद दूसरी हुई हैं, उनसे इसकी आशंका होना अस्वाभाविक नहीं है कि इन घटनाओं का, अगले ही महीने के आरंभ में होने जा रहे, हरियाणा के विधानसभाई चुनावों से संबंध हो सकता है। यह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है कि हरियाणा में भाजपा को एक खासतौर पर कठिन चुनाव का सामना करना पड़ रहा है। वास्तव में इसी राजनीतिक-सामाजिक प्रतिकूलता का पूर्वानुमान कर, संघ-भाजपा जोड़ी इस राज्य में भी, जहां मुस्लिम आबादी अधिक नहीं है, अपने पीछे हिंदुओं को गोलबंद करने के लिए, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों में लगी रही है।खासतौर पर मुस्लिम आबादी के केंद्रीयकरण की पॉकेट, मेवात के इलाके को केंद्रित कर, गोरक्षा के नाम पर खासतौर पर हिंसक गिरोहों को संगठित किया गया है, जिनकी गतिविधियों ने मेवात के इलाके को देश की मॉब लिंचिंग की राजधानी ही बना दिया है। इसी सिलसिले के हिस्से के तौर पर, पिछले ही साल फरवरी में कथित गोरक्षकों द्वारा नासिर और जुनैद की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी गयी थी। बाद में अगस्त के आरंभ में नूंह में कथित ब्रज मंडल शोभायात्रा के नाम पर, बाकायदा दंगा भी कराया गया था, जिसका समापन भाजपा सरकार की पुलिस की पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण मुस्लिम-विरोधी कार्रवाई के साथ हुआ था। उधर गुड़गांव में खुले में नमाज को रोकने के नाम पर, उकसावेपूर्ण मुस्लिमविरोधी मुहिम चलायी जाती रही है। खासतौर पर किसान आंदोलन की पृष्ठद्भूमि में, ध्रुवीकरण की इन कोशिशों के खास सफल न होने के बाद अब, कथित गोरक्षकों के सहारे चुनाव से ऐन पहले एक बार फिर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का दांव आजमाया जा रहा है। लेकिन, यह सब सिर्फ चुनावी चिंताओं का मामला ही नहीं है।वास्तव में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद से, गोरक्षा के नाम पर मॉब लिंचिंग के मामलों में उल्लेखनीय तेजी आयी है। चुनाव नतीजों के बाद इसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ से हुई थी, जहां ट्रक ड्राइवर तथा क्लीनर समेत तीन लोगों की कथित गोरक्षकों ने पीछा कर के हत्या कर दी थी। लेकिन बाद में, जैसाकि भाजपा-शासित राज्यों में आम है, पुलिस की जांच में यह नतीजा पेश कर दिया गया और तत्परता से सरकार द्वारा उसका अनुमोदन भी कर दिया गया कि दो मरने वाले, खुद ही पुल से नदी में कूद गए थे! गोरक्षकों ने तो उनका पीछा भर किया था! उसके बाद से विभिन्न राज्यों में कथित गोरक्षकों द्वारा मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। मॉब लिंचिंग की ये घटनाओं, जिनमें अक्सर दोषियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई नहीं होती है और तरह-तरह के बहानों से की जाने वाली बुलडोजर कार्रवाइयों आदि से मिलकर, मुसलमानों के खिलाफ एक प्रकार से राजनीतिक-चुनावी बदला लिए जाने का वातावरण बन रहा है। भाजपा के अनेक नेताओं के मुस्लिम-विरोधी बयान और मोदी एंड कंपनी का अपनी सोची-समझी चुप्पी से इस सब को बढ़ावा देना, इस वातावरण को और दमघोंटू बना रहा है। इंद्रेश कुमार के बयान से साफ है कि आरएसएस, इस सिलसिले को आगे बढ़ाने की ही कोशिश करेगा न कि टूटने देगा।

गिरिराज रचित आलोचना शास्त्र से अब बेअसर होते राहुल गांधी

राहुल गांधी फिर से अमेरिका में हैं;एक बार फिर से वे वहां बस गये भारतीयों के सामने दिल खोल रहे हैं;पुनः वे भारत में लोकतंत्र की स्थिति पर बात कर रहे हैं;अब फिर से कुछ लोग, जिनका अस्तित्व इस बात पर टिका है कि उनकी पार्टी के कुकृत्यों का कहीं भी खुलासा हो-गल्ली से दिल्ली तक या कहें कि डेल्ही से डेलास तक- फनफना उठें; और ऐसा जवाब दें जिसके पीछे उदार विचारधारा का न तो कोई संदर्भ हो और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों का लेशमात्र भी आग्रह;एक बार फिर भारत में बैठे वे लोग नाराज होंगे जो मानते हैं कि देश को आजादी 2014 में मिली है; या पहले मिली भी है तो वह 99 साल की लीज वाली थी। बहरहाल, राहुल गांधी कुछ भी कहें, इसका जवाब या स्पष्टीकरण जहां से आना चाहिये वहां से नहीं आता बल्कि उन लोगों की ओर से आता है जिन्हें न तो इसके लिये अधिकृत किया जाता है और न ही वह पार्टी का मान्यताप्राप्त बयान होता है। हिमंता बिस्वा सरमा, अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, स्मृति ईरानी, कंगना रनौत या गिरिराज सिंह जैसे कुछ लोग हैं जो बार-बार एक जैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनका दुर्भाग्य यही है कि वे राहुल के लिये कोई नया आलोचना शास्त्र नहीं लिख पाये हैं। वह उन्हीं मानदण्डों पर है जो 2014 के आसपास बनाया गया था और जिस हांडी पर एक बार खिचड़ी पकाई जा चुकी है। यह उनके समर्थकों का भी दुर्भाग्य है कि वे उन्हीं की कही बातों पर भरोसा कर रहे हैं जबकि थोड़े बहुत जो समझदार लोग भाजपा या सरकार में हैं, वे सारे राहुल की आलोचना से किनारा कर चुके हैं।

अब गिरिराज की ही बात करें तो वे पुरानी बातें ही कह रहे हैं- मसलन, 'विदेशी धरती पर भारत की आलोचना', 'भारत की बदनामी', 'दुश्मन देशों को प्रोत्साहन' आदि। इन्हीं जैसों में से किसी की बात का सिरा थामकर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह कह देंगे कि 'पता नहीं कांग्रेस को देश से क्या दुश्मनी है' या 'उन्हें देश की इज्जत प्यारी नहीं' आदि। ये सारी बातें मोदी के जुमलों की तरह की बासी हो चुकी हैं जिस पर पानी छिड़ककर वैसा ही ताजा किया जाता है जैसे कोई कुंजड़िन बासी सब्जियों पर पानी का छिड़काव कर उसे ताजी बनाये रखने की कोशिश करती है, ताकि वह उसे अगली सुबह बाजार में बेच सके। मजेदार यह है कि इस विचार और सब्जी के खरीदार अब भी हैं जबकि वे जान चुके हैं कि इस आलोचना में कोई तार्किकता रह नहीं गयी है। फिर भी, पहली बात वे यह समझ लें कि लोकतंत्र एक सार्वभौमिक और संयुक्त अवधारणा है। एक देश में लोकतंत्र को खतरा अन्य देशों की चिंता का विषय हो सकता है। जैसे पड़ोसी देशों में सैन्य सरकार की स्थापना अथवा निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कोई देश नजरंदाज नहीं कर सकता।

दूसरे, जिन लोगों के सामने राहुल ने यह बात कही है वे भारतीय ही हैं जिन्हें खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'भारत का हिस्सा' बताते रहे हैं। वे वहां इसीलिये बस गये हैं क्योंकि उन्हें सुव्यवस्था और सुशासन दिखता है। साथ ही अवसरों की बहुलता दिखी है। इन सब बातों का भारत में अभाव ही तो उन्हें उस नयी दुनिया में ले गया। वहीं उन्हें विविधता का सम्मान करना आया, समतामूलक समाज के दर्शन हुए, धर्मनिरपेक्षता को उन्होंने जाना और लोकतंत्र का महत्व समझा। कुछ अपवादों को छोड़कर ये सारे भारत से गये वे लोग हैं जो साधन-सम्पन्न थे। कुछ समय वहां रहने के बाद देशज धारणाओं को त्यागकर उन्होंने अमेरिकी मूल्यों को अपनाया है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस उत्साहित

हरियाणा के आगामी विधानसभा चुनाव में कौन विजयी होगा? क्या सत्तारूढ़ भाजपा राज्य में अपना कब्जा बरकरार रखेगी या फिर कांग्रेस जीत का मौका भुनायेगी? देश की निगाहें महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू और कश्मीर में आसन्न चुनावों के नतीजों पर भी टिकी हैं, जो इन राज्यों के भविष्य को आकार देंगे और राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे।हरियाणा 90 सीटों के साथ एक विविधतापूर्ण बहुकोणीय मुकाबले के लिए तैयार है। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। फिर भी, आप, समाजवादी पार्टी, सीपीआई (एम), सीपीआई और हरियाणा लोकहित पार्टी जैसी अन्य पार्टिया भी मैदान में हैं, जो चुनावी गतिशीलता में विविधता ला रही हैं।जेजेपी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने दुष्यंत चौटाला को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया है। वहीं, इनेलो और बसपा ने अभय सिंह चौटाला को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मैदान में हैं। भाजपा की ओर से नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैदान में हैं। दोनों ही पार्टियों में अंदरूनी समस्याएं हैं।

भाजपा के मामले में मंत्री रणजीत सिंह चौटाला और विधायक लक्ष्मण दास नापा ने टिकट नहीं मिलने पर पार्टी छोड़ दी। अन्य प्रमुख हस्तियों और जिला नेताओं ने टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया। गठबंधन सहयोगी आप के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा के दौरान हुड्डा समेत हरियाणा के कांग्रेस नेता कुछ ही सीटें देने को तैयार हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस दस साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी को लेकर आशावादी है। पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी को गठबंधन के लिए रणनीतिक रूप से लुभाने की कोशिश कर रही है।आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में शामिल होने के आरोप में अभी भी जेल में हैं। हरियाणा चुनाव अहम हैं। भाजपा तीसरी बार सत्ता में आना चाहती है, जबकि कांग्रेस सत्ता हासिल करना चाहती है। अन्य क्षेत्रीय दल भी सत्ता में हिस्सेदारी के लिए होड़ में हैं।2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी दस सीटें जीती थीं। 2024 में उसे केवल पांच सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस ने बाकी पांच सीटें जीतीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुमत से वंचित भाजपा ने जद(यू) और तेलुगु देशम की मदद से सरकार बनाई। 2014 से पहले हरियाणा में भाजपा एक छोटी खिलाड़ी थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद ही पार्टी ने गति पकड़ी। 2019 में भाजपा ने 40 सीटों के साथ सरकार बनायी, जो बहुमत से सिर्फ छह कम थी, दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने दस सीटें जीतकर भाजपा का समर्थन किया। हालांकि, जेजेपी ने हाल ही में भाजपा के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर लिया है।हरियाणा में, भाजपा का वोट शेयर 2019 में 58.2प्रतिशत से घटकर 2024 में 46.11प्रतिशत हो गया। इसका मुख्य कारण किसानों द्वारा कानूनी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी की मांग करना था। 2024 में, क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने भाजपा के वोट शेयर को पीछे छोड़ दिया।

मार्च में, भाजपा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री नियुक्त किया। नये मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, सरकारी नौकरियों में रिक्त पदों को भरने का वायदा किया है और जाट मुद्दे का लाभ उठाने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, भाजपा को जाटों का समर्थन नहीं है। साथ ही, सैनी के छह महीने के छोटे कार्यकाल ने उनके प्रभाव को सीमित कर दिया है।2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी लोकसभा सीटों को दोगुना करने के बाद कांग्रेस उत्साहित है।कांग्रेस बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, किसानों के मुद्दों और विवादास्पद अग्निवीर योजना पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पार्टी जनता के सुझावों के आधार पर अपना घोषणापत्र तैयार कर रही है, जिसमें वृद्धों के लिए 6,000 रुपये पेंशन और 300 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी कल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं। पार्टी को पहली बार मतदान करने वाले 452,000 मतदाताओं और 40 लाख युवा मतदाताओं पर भी भरोसा है। कांग्रेस का लक्ष्य विपक्षी वोटों को एकजुट करना है, जबकि भाजपा उन्हें रणनीतिक रूप से विभाजित करना चाहती है।हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों में आप का कुछ प्रभाव है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा संकेतों के मुताबिक आप ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई है। कांग्रेस में भी खटपट चल रही है। कांग्रेस गुटबाजी का सामना कर रही है। यह हुड्डा और कुमारी शैलजा के नेतृत्व में दो समूहों में विभाजित है। पार्टी दोनों गुटों को संतुष्ट करने की कोशिश कर रही है, लेकिन हुड्डा मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पिछली भूमिका के कारण अधिक प्रभाव रखते हैं। कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची में दलबदलू और पूर्व मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदार शामिल हैं।हरियाणा में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि पार्टी की सीटें कम हो सकती हैं। भाजपा की कमजोरियां हैं राज्य स्तर पर मजबूत नेतृत्व की कमी और विपक्ष के आरोपों के जवाब में किसी दमदार बात का न होना। पार्टी के अभियान का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक किसी भी चुनावी रैली को संबोधित नहीं किया है।कांग्रेस को आत्मसंतुष्टि, आंतरिक संघर्षों को दूर करके संगठन को मजबूत करना चाहिए। उम्मीदवारों की सूची घोषित होने के बाद भाजपा को विद्रोह का सामना करना पड़ा और कुछ प्रभावशाली नेताओं ने पार्टी के लिए अपनी रणनीति बदली।रंजीत जैसे लोगों ने पार्टी छोड़ दी। टिकट के लिए बहुत सारे दावेदार पार्टी की संभावनाओं को कम कर सकते हैं।अंततः, अंकगणित ही कांग्रेस की जीत तय करेगा। साथ ही, इंडिया गठबंधन की एकता भी जरूरी है। अगर किस्मत अच्छी रही तो भाजपा सम्मानजनक संख्या में सीटें हासिल करके नुकसान को कम कर सकती है, जिससे एक मजबूत विपक्ष बन सकता है। कांग्रेस को गलतियों से बचना चाहिए और सबको साथ लेकर चलना चाहिए। अन्यथा, वह एक सुनहरा अवसर खो देगी।

अंकगणित ही कांग्रेस की जीत तय करेगा। साथ ही, इंडिया गठबंधन की एकता भी जरूरी है। अगर किस्मत अच्छी रही तो भाजपा सम्मानजनक संख्या में सीटें हासिल करके नुकसान को कम कर सकती है, जिससे एक मजबूत विपक्ष बन सकता है। कांग्रेस को गलतियों से बचना चाहिए और सबको साथ लेकर चलना चाहिए।

उन्नाव में गणेश प्रतिमा विसर्जन शुरू अगले बरस तू जल्दी आ... के जयकारों के साथ दी विदाई, जयकारों के साथ उड़ा अबीर-गुलाल

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

उन्नाव। सितंबर को शुरू हुआ गणेश महोत्सव अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। इस उत्सव के अंतिम दिन नगर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का कार्यक्रम धूमधाम से चल रहा है। गुरुवार को नगर के विभिन्न हिस्सों में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया, जिसमें भक्तगण श्रद्धा और उत्साह के साथ शामिल हुए।गंगाघाट पर राजा श्री गणेश महोत्सव के अवसर पर बाबा की आरती की गई। जहां भक्तों ने मिलकर गाजे-बाजे के साथ विसर्जन समारोह को भव्य रूप से मनाया। इस अवसर पर भक्ति गीतों की गूंज के बीच, युवा और वृद्ध सभी ने एक साथ मिलकर गणपति बप्पा के जयकारे लगाए और उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की।

चंपापुरवा में भी गणेश महोत्सव की धूम मची रही। यहां पर गजानन सरकार की महाआरती का आयोजन बड़े श्रद्धा भाव के साथ किया गया। चंपापुरवा के स्थानीय निवासियों ने पूरे उत्साह और धार्मिक भावनाओं के साथ आरती की और बप्पा के विसर्जन के मौके पर हर कोई भक्ति में लीन नजर आया।

पूरा वातावरण भक्तिमय हुआ

फत्तेखेड़ा झील पर गणेश महोत्सव की सबसे अधिक भीड़ देखी गई। सुबह से लेकर देर शाम तक, नगर, उन्नाव और कानपुर के लोग झील पर आते रहेंगे। वे गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए मूर्तियों का विसर्जन कर रहे थे। झील के किनारे पर भक्तगण भक्ति गीतों पर थिरकते हुए गणेश जी को विदाई दे रहे थे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

महाभोग लगाया गया . गायत्री नगर श्री गणेश नव युवक सेवा समिति द्वारा गणेश महोत्सव में विशेष आयोजन किया गया। यहां गणपति बप्पा को महाभोग अर्पित किया गया और उनकी आरती भी की गई। इस अवसर पर स्थानीय लोग। विशेष रूप से दिलीप शुक्ला भोला, बसंत मिश्रा, राजन मिश्रा, प्रेम चंद्र कश्यप, शिब्बू तिवारी, पप्पू तिवारी और पूर्व सैनिक विजय तिवारी भी मौजूद रहे। इन सभी ने मिलकर बप्पा को विदाई देने के लिए विशेष व्यवस्था की और उत्सव को भव्य बनाने में अपना योगदान दिया।

महाकुंभ में उर्दू-फारसी के स्थान पर संतत्व-देवत्व वाले शब्द श्रेयस्कर

प्रयागराज।

महाकुंभ मेले में उर्दू और फारसी शब्द शाही स्नान और पेशवाई को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए साधु-संतों ने संतत्व और देवत्व का बोध कराने वाले शब्दों के चुनाव की महत्ता को श्रेयस्कर बताया है।साधु संतों का कहना है कि मुगलों ने सनातन संस्कृति का बड़ा ह्रास के साथ और मंदिरों का विध्वंस किया। मुगल काल से चले आ रहे शाही और पेशवाई शब्द पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होने कहा हमें भाषा से कोई गुरेज नहीं है लेकिन लाखों वर्ष से चली आ रही प्राचीन सनातनी परंपरा में हम उर्दू शब्दों का उपयोग क्यों करें। हम क्यों नहीं अखाड़ों के साधु संतो के मेला क्षेत्र में प्रवेश और स्नान के लिए अपने सनातन धर्म से जुड़े संतत्व और देवत्व का बोध कराने वाले शब्दों का उपयोग करें जो हमारी प्राचीन धार्मिक परंपरा से जुड़े होने के साथ ही श्रेयस्कर हो।साधु संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और हरिद्वार स्थित मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने साधु संतों की मांग पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव द्वारा उज्जैन स्थित महाकाल के शाही सवारी का नाम बदलकर राजसी सवारी करने का स्वागत करते हुए कहा कि महाकुंभ में (फारसी शब्द) पेशवाई और (उर्दू) शाही स्नान का नाम बदलकर छावनी प्रवेश और राजसी स्नान करना सनातन धर्म की वैदिक परंपरा को बढ़ावा देना है।

परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि प्रयागराज में सभी 13 अखाड़ों के साथ शीघ्र होने वाली बैठक में इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। बैठक में विचार किया जाएगा कि इन शब्दों के स्थान पर सनातन धर्म से जुड़े और क्या नाम दिया जाए। उन्होंने कहा कि अखाड़ा परिषद द्वारा सर्वसम्मति से नाम पारित कर देश में आयोजित होने वाले अर्ध कुंभ, कुंभ और महाकुंभ वाले स्थान प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक के कार्यालयों में पत्र भेजा जाएगा।महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि हमारी सनातन धर्म देववाणी संस्कृति अति प्राचीन होने के साथ ही महत्वपूर्ण है, तब हम क्यों नहीं अपनी संस्कृति से जुड़े शब्दों का उपयोग कर उनके अनुरूप नाम दें। हम क्यों मुगलो और गुलामी का प्रतीक उर्दू और फारसी शब्द का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि महाकुंभ स्नान से पहले ह्लशाही स्नान और पेशवाईह्व शब्दों को हटा दिए जाएगा। उन्होंने कहा कि अखाड़े के इस पहल का उद्देश्य ह्लसनातन धर्म की वैदिक परंपरा का बढावा देना है।

महंत ने कहा कि जिनकी भाषा उर्दू है, वह द्वेष रखते हैं, हमें मारना और मिटाना चाहते हैं। हम उनकी भाषा को क्यों ढोएं। हमें भाषा से द्वेष नहीं है लेकिन हमारी जो अति प्राचीन सनातनी परंपरा है। हम उसके अनुरूप श्रेयस्कर शब्दो का चुनाव क्यों नहीं करें। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में उसकी महत्ता को लेकर दुनिया के कोन-कोने से करोड़ो श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने यहां अगले साल जनवरी में पहुंचेगे। उनकी भी आस्था को देखते हुए उर्दू के स्थान पर धर्म से जुड़े संतत्व और देवत्व वाले शब्दों को प्रयोग सुंदर विचार होगा।अखिल भारतीय दंडी सन्यासी परिषद अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम ने कहा कि हमें उर्दू और फारसी शब्दों के स्थान पर सनातन धर्म से जुड़े शब्दों का प्रयोग करना चाहिए जिससे संतत्व और देवत्व का बोध होता हो। शाही स्नान के स्थान पर सनातन धर्म से जुडे जैसे अमृत स्नान, दिव्य स्नान व देवत्व स्नान आदि पर विचार किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने हो रही चोरियों को लेकर थाना प्रभारी पुरवा को दिया ज्ञापन

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

उन्नाव। पुरवा उन्नाव आज व्यापार मंडल ने मुख्य बाजार पुरवा में हो रही लगातार चोरियां को लेकर पुरवा थाना प्रभारी को एप्लीकेशन दिया व्यापार मंडल पुरवा अध्यक्ष सजय गुप्ता ने बताया की पुरवा मिर्री चौराहा मे लगातार चोरियां हो रही है पुरवा में हो रहे चोरियों लेकर व्यापारी बहुत ही भयभीत हैं वही कल एक घटना चोरी की समाने आई है मिर्री चौराहा स्थित राहुल मोबाइल शॉप मे लगभग ग्यारह बजे चोरो ने राहुल मोबाइल शॉप का ताला तोड़ रहे थे तभी पड़ोस के लोगो को लगा की किस चीज की आवाज आ रही है तभी पड़ोस के लोगों ने जाकर देखा की राहुल मोबाइल शॉप का ताला तोड़ा जा रहा है शटर का तब पड़ोस के लोगों ने चोरों को दबोच लिया उसके बाद 112 पर फोन कर चोरो की जानकारी पुलिस को दिया मौके पर पहुंची पुलिस पड़ोस के लोगों ने चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया गया व्यापार मंडल पुरवा थाना प्रभारी को चोरों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए अप्लिकेशन दिया गया व्यापार मंडल पुरवा महामंत्री नीरज कुमार मिश्रा ने बताया की पुरवा मे चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं पुरवा पुलिस चोरो पर अंकुश नहीं लग पा रही है और पुरवा क्षेत्र में भी कई चोरियां सामने आई है कहीं ना कहीं पुलिस के गस्त को लेकर सवाल उठते है पुरवा थाना प्रभारी ने शिकायती पत्र लेते हुए ठोस कदम उठाने की बात कही.

खास खबर

माकपा के नेता पूर्व राज्य सभा सदस्य के निधन पर सांसद ने जताया शोक

प्रतापगढ़। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सदस्य सीताराम येचुरी का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन पर प्रतापगढ़ सांसद डाक्टर एसपी सिंह पटेल ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। उनके निधन से देश ने एक जुझारू और संघर्षशील राजनेता खो दिया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति व परिजनों एवं समर्थकों को दुःख सहन करने की शक्ति दें। उक्त जानकारी सपा के मीडिया प्रभारी वकार अहमद ने दी है।

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं बन रहा आधार

रायबरेली। जिले में आधार कार्ड बनाने का काम डाकघरों से अधिक हो रहा है। सुबह छह बजे से डाकघर के बाहर लाइन लग रही है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग डाकघर के बाहर आधार बनवाने के लिए लाइन लगा रहे हैं। सर्वर ठप होने से आधार कार्ड बनने और अपडेट होने में दिक्कत आ रही है। लोगों को लाइन में लगने के बाद भी निराश होकर लौटना पड़ रहा है। एक माह की वेटिंग का टोकन मिल रहा है।आधार कार्ड की समस्या का निस्तारण नहीं हो रहा है। लोग सुबह से आधार कार्ड के लिए बैंकों और डाकघर के बाहर लाइन लगाने को मजबूर हैं। वहीं सर्वर धड़ाम होने से आधार कार्ड नहीं बन पा रहे है। खीरों में बड़ौदा यूपी बैंक में आधार बनाने का कार्य बीते एक माह से ठप है, जिससे आधार बनवाने या संशोधन कराने आने वालों को वापस जाना पड़ता है। बीआरसी में स्कूली बच्चों के आधार कार्ड बन रहे हैं।

रोजगार मेले में 46 अभ्यर्थी चयनित

रायबरेली। एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन कंचन पॉलिटेक्निक मनेहरू, रायबरेली में किया गया। जिसमें विभिन्न पदों हेतु क्वेसकॉर्प लिमिटेड कम्पनी द्वारा मेले में कुल 162 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए जिसमें से 46 को प्राथमिक रूप से चयनित किया गया, शेष अभ्यर्थी चयन हेतु प्रक्रियाधीन है । तनुजा यादव सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी ने सभी कंपनियों एवं रोजगार के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कंचन पॉलिटेक्निक मनेहरू, रायबरेली के डायरेक्टर आकाश शुक्ला, रायबरेली के धीरेन्द्र सिंह, भारत सरकार यंग प्रोफेशनल रामेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा मेले के आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी सदस्यता अभियान

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी सदस्यता अभियान 2024 के क्रम में उन्नाव भाजपा द्वारा लगातार जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार के नेतृत्व में भाजपा के सदस्य बनाए जा रहे हैं इसी क्रम में भाजपा के सांसद विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधि, जनपद में निवास करने वाले प्रदेश, क्षेत्र के पदाधिकारी सहित जिला भाजपा और मंडल इकाई के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता अपने आवंटित बूथों पर पहुंच कर घरों में संपर्क कर सदस्यता करवा रहे हैं।

भाजपा के घर घर संपर्क अभियान के क्रम में प्रदेश महामंत्री व क्षेत्रीय प्रभारी संजय राय ने जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार, व सीतापुर के प्रभारी नीरज सिंह के साथ न्योतनी मंडल बूथ संख्या 189 सम्मानित स्थानीय निवासियों को भाजपा की सदस्यता दिलाकर उनका राष्ट्रवादी विचारधारा का अनुसरण करने वाले संगठन में स्वागत किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा आज देश में बड़ी संख्या में लोग भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं, जिससे हमारे राष्ट्र निर्माण के संकल्पों को नई ऊर्जा प्राप्त हो रही है।नगर पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश कन्नौजिया, मंडल अध्यक्ष दुर्गेश तिवारी, बूथ अध्यश निखिल राठौर सहित पार्टी पदाधिकारीगण एवं जनता भी उपस्थित रही।जिला प्रभारी व प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र द्विवेदी के साथ नवाबगंज मंडल के बूथ संख्या 386 में संपर्क कर लोगों को पार्टी की विचारधार से जोड़कर सदस्य बनाया।

पार्टी के द्वारा चल रहे राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के अंतर्गत भाजपा जिला कार्यालय पर सहकारिता परिवार की बैठक आयोजित की गई जिसमें जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार द्वारा सहकारी बंधुओं से घर घर सम्पर्क कर आम समाज को पार्टी की सदस्यता से जोड़ने हेतु निवेदन किया .

देवबंद के चकबंदी अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

सहारनपुर।

सहारनपुर जिले के देवबंद में चंकबदी अधिकारी को मेरठ की विजीलेंस टीम ने एक किसान से 50 हजार रूपए की रिश्वत लेते रगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

विजिलेंस विभाग की अपर पुलिस अधीक्षक इंदु सिद्धार्थ ने बृहस्पतिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी धर्मदेव को आज तड़के मेरठ ले जाया गया है, जहां उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर केवी सिंह ने देवबंद कोतवाली में रात्रि तीन बजे गिरफ्तार किए गए सीओ चकबंदी धर्मदेव के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

उन्होने बताया कि किसान मोहर्रम अली ने करीब एक माह पूर्व इंदु सिद्धार्थ से इस मामले की लिखित शिकायत की थी कि सीओ धर्मदेव उनके ताऊ अल्लाह रखा, पिता रफीक अहमद और चाचा जहूर अहमद पुरुखों की साढ़े तीन बीघा जमीन को वारिसों के नाम दर्ज करने के लिए 50 हजार रूपए की मांग कर रहा था। वह और उनके परिवार के सदस्य चकबंदी विभाग के चक्कर काट-काटकर थक गए थे। उनके परिवार की स्थिति 50 हजार रूपए की रिश्वत देने की नहीं थी।

चकबंदी विभाग में उनका यह प्रकरण वर्ष 2013 से लटका हुआ था।विभागीय अधिकारी तारीख पर तारीख देते रहे। इसी में 11 साल निकल गए और दस मिनट का काम चकबंदी विभाग के अधिकारी इतनी लंबी अवधि में भी नहीं कर पाए। समाधान दिवसों में भी उन्होंने कई बार शिकायतें कीं लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।एएसपी इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि उन्होंने इस मामले में कार्रवाई के लिए शासन से बाकायदा अनुमति ली थी। शिकायतकत्र्ता किसान मोहर्रम अली ने बताया कि 15 दिन पहले भी एएसपी इंदु सिद्धार्थ के नेतृत्व में बिजलेंस की पूरी टीम देवबंद आई थी। तब उसने सीओ धर्मदेव को बतौर रिश्वत 30 हजार रूपए लेने की पेशकश की थी लेकिन उसने यह कहते हुए उसकी रकम पकड़ने से इनकार कर दिया था कि वह 50 हजार रूपए से कम पर कोई काम नहीं करेगा।

भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ 18 सितंबर को होगी किसान महापंचायत

बाराबंकी।

भारतीय किसान यूनियन भदौरिया संगठन के केंद्रीय कार्यालय शिव मंदिर गणेशपुर में बुधवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई। जिसमे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर हाकिम सिंह भदौरिया द्वारा जानकारी दी गई कि शासन प्रशासन के निदेर्शों की धज्जियां उड़ा रहे भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों के विरुद्ध विभिन्न समस्याओं को लेकर 18 सितंबर 2024 को रामनगर तहसील अंतर्गत गणेशपुर मोड़ जनपद बाराबंकी में किसान महापंचायत होगी।

जिसमें राष्ट्रीय एवं प्रदेश के पदाधिकारी भी सम्मिलित होंगे। यदि महापंचायत के उपरांत मांगे नहीं पूरी हुई तो संगठन राष्ट्रीय नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के लिए मुख्यमंत्री आवास के लिए पैदल कूच करेंगा और भ्रष्ट अधिकारियों पर दंडात्मक कार्यवाही की भी मांग करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि शासन प्रशासन पूरी सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करे यदि किसान महापंचायत के दौरान किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से संगठन के बाराबंकी जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह सहित अनेकों पदाधिकारी मौजूद रहे।

काल बनकर आकाशीय बिजली गिरी जिससे पीएनसी का इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम बर गया

संवाददाता उमेश द्विवेदी।

पुरवा उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गांव मंगतखेड़ा में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे निर्माण दाई संस्था पीएनसी के यार्ड में लगे टावर में बुधवार रात हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिर गई।आकाशीय बिजली गिरने से टावर से कनेक्ट यार्ड के समस्त सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर, लैपटाप, पीओआई सिस्टम, प्रिंटर आदि उपकरण फुक गए। गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं घटित हुआ। पीएनसी के प्रशासनिक अधिकारी उदित जैन ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से यार्ड में लगे आइटी के सभी उपकरण खराब हो गई है जिससे लगभग 25 लाख का नुकसान हुआ है।

बरसात व तेज हवाओं के झोंकों ने किसानों के अरमानों पर फेरा पानी

सिरौली गौसपुर बाराबंकी।

रुक रुक कर हुई बरसात व तेज हवाओं के झोंकों ने किसानों पर जमकर कहर बरपाया है खेतों में खड़ी धान की फसल चटाई की तरह लेट गई।बुधवार की देर रात से बृहस्पतिवार की दोपहर तक रुक रुक कर हुई बरसात व तेज हवाओं के झोंकों की जद में आने से किसानों की गाढ़ी कमाई से तैयार की गई धान की फसल में जब बालियां निकलने का समय आया तो वह चटाई की तरह खेतों में ही बिछ गई जिससे किसानों के आगे का निवाला छिनता जा रहा है किसान हमेशा घाटे की खेती करते चले आ रहे हैं विगत वर्षों फसल काटने के समय ओलावृष्टि से रवी की फसल नष्ट हो गई थी इधर तेज हवा के साथ हुई बरसात ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया। किसानों का कहना है कि यदि इसी तरह से बरसात होती रही तो खेतों में पड़ी धान की फसल सड़ना शुरू हो जाएगी जिसकी बबार्दी को कोई नहीं रोक पाएगा इसके अतिरिक्त आशा के अनुरूप पैदावार नहीं हो पाएगी धान की फसल में दानों का समुचित विकास न होने की स्थिति में धान में फरहा बढ़ जाएगा।

दिव्यांगजनों के लिए आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर, बताए गए उनके अधिकार

बाराबंकी।

उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की मंशानुरूप एवं पंकज कुमार सिंह जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशन में दिनांक-12.09.2024 को दिव्यांग जनों के अधिकारों पर शिविर का आयोजन विकास भवन में स्थित सभागार में श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी द्वारा बताया गया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार, दिव्यांग व्यक्तियों को भी अन्य लोगों के समान ही संपत्ति का स्वामित्व या उत्तराधिकार हासिल करने ,बैंक ऋण, बंधक, और दूसरे तरह के वित्तीय ऋण लेने का अधिकार है दिव्यांग व्यक्तियों के खिलाफ अत्याचार करने पर कानून के तहत दोषी को जेल का प्रावधान है, इसके अतिरिक्त उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के कई अधिकारों को विहित किया गया है। इसके अतिरिक्त उपस्थित दिव्यांगजनों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने हेतु अध्ययन करना अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि जब हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहेंगे तभी हम सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओ से लाभानवित होंगे। तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आपको निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है जिसमें यदि आपका कोई वाद न्यायालय पर विचाराधीन है तो उस वाद की पैरवी हेतु आप प्राइवेट अधिवक्ता करने में सक्षम नही है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी में निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र दे सकते है। जिससे आपके वाद की पैरवी करने हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान किया जा सकता है। एजाजुल हक खान जिला दिव्यांग सशक्तीकरण अधिकारीगण द्वारा मंच का संचालन किया गया एवं सरकार के द्वारा चलाई गयी दिव्यांगजनों के योजनाओं के बारें में विस्तृत जानकारी दी गयी।इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सुषमा वर्मा, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी बालेन्दु द्विवेदी के अतिरिक्त अन्य कर्मचारीगण व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से कनिष्ठ लिपिक सौरभ शुक्ला तथा काफी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहें।

पेज 1 का शेष

लापरवाह चिकित्सक पर.....

प्रकरण की जांच हुई और डॉ. शुक्ला द्वारा अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरतने तथा ससमय हायर सेंटर रेफर न करने का तथ्य सामने आने पर तीन वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोकते हुए परिनिंदा का दंड दिया गया है।वहीं, जिला क्षय रोग अधिकारी, भदोही डॉ. विवेक प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा एसीएमओ एवं नोडल अधिकारी, सीएचसी डीघ, भदोही के पद पर रहते हुए उच्चादेशों की अवहेलना करते हुए व्यंगात्मक, अभद्र एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने संबंधी वायरल वीडियो के वायरल होने के बाद, जांचोपरांत दोषी पाए जाने पर एवं महाराजा सुहेलदेव स्वशाशी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के अस्थि रोग विभाग के आचार्य डॉ. आरके वर्मा को अपने निजी आवास पर मरीजों को देखने व प्राइवेट प्रैक्टिस करने पर तीन-तीन वेतनवृद्धियां स्थायी रूप से रोकते हुए परिनिंदा का दंड दिया गया है।

अटल आवासीय.....

वर्ग इसकी चपेट में आता है तो गरीबी, भुखमरी आदि विकृतियां देखने को मिलती हैं। व्यक्ति और समाज को सुशिक्षित किए बिना सशक्त व समर्थ राष्ट्र तथा समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों को शिक्षा की गुणवत्ता का मानक व स्कूली शिक्षा के इंटीग्रेटेड कैम्पस का माध्यम बनाने का कार्य किया गया है। देश व समाज के संसाधनों पर बिना भेदभाव के प्रत्येक तबके के बच्चों का अधिकार होना चाहिए। यह अटल आवासीय विद्यालय इन अधिकारों का एहसास दिलाने के लिए शिक्षा के मॉडल के रूप में सबके सामने प्रस्तुत किए गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्व0 अटल जी ने अपने जीवन की चुनौतियों के व्यापक अनुभव को अपने शब्दों व काव्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्हें जब सरकार में आने का अवसर प्राप्त हुआ, तो उन्होंने अपने कालखण्ड में समाज की बुराइयों से लड़ने के लिए व्यापक कार्य योजना को जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य किया। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी की संकल्पना के अनुरूप श्रद्धेय अटल जी की स्मृतियों को इन 18 अटल आवासीय विद्यालयों के माध्यम से जमीनी धरातल पर उतारने का कार्य किया गया।एक साथ 18 मण्डलीय मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालय संचालित हो चुके हैं, इनमें लखनऊ, सहारनपुर, मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, अलीगढ़, आगरा, कानपुर, झांसी, बांदा, प्रयागराज, मीरजापुर, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या आदि सम्मिलित हैं। इनमें मेरठ का विद्यालय बुलन्दशहर तथा झांसी का विद्यालय ललितपुर में संचालित किया जा रहा है। मुरादाबाद के बच्चे बुलन्दशहर तथा बरेली के बच्चे लखनऊ अटल आवासीय विद्यालय में भी अध्ययन कर रहे हैं। वह सभी अगले सत्र में अपने विद्यालयों में जाएंगे। मुरादाबाद तथा बरेली में अटल आवासीय विद्यालय निमार्णाधीन हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां उन्होंने विद्यालय के बच्चों के साथ औपचारिक संवाद कर उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा का अनुभव किया। प्रतिभा जाति, मत, मजहब, सम्प्रदाय आदि की बन्धक नहीं होती। यह कहीं भी पैदा हो सकती है। इसको उचित मंच व अवसर प्रदान करना आवश्यक है। सरकार का यही दायित्व होना चाहिए। आज आपने इन अटल आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में देखा। प्रदेश में वर्ष 2017 से पूर्व गरीब तथा निराश्रित बच्चों के बारे में कोई नहीं सोचता था। अराजकता का माहौल था। समाज को बांटने का काम किया जाता था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीबों तथा वंचितों के बच्चों के लिए अगले सत्र से बिना भेदभाव के डे-स्कूल की व्यवस्था की गई है। 57 अन्य जनपदों में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए बेसिक शिक्षा परिषद को धनराशि प्रदान की जा चुकी है। यह सभी डे-स्कूल होंगे। इन विद्यालयों में बाल वाटिका का निर्माण भी किया जाएगा। इसमें 03 से 05 वर्ष आयु तक के बच्चे को प्रवेश देकर नई पीढ़ी को इन विद्यालयों से जोड़ने का कार्य किया जाएगा, ताकि वह भी अपने भावी विद्यालय को देख सकें। उन्हें मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के रूप में स्थापित किया जाएगा।तीसरे चरण में प्रदेश की सभी 350 तहसीलों में ऐसे विद्यालय बनाने की व्यवस्था की जाएगी। चैथे चरण में 825 विकास खण्डों में इस प्रकार के विद्यालय बनेंगे। हम इन विद्यालयों को पांचवें चरण में न्याय पंचायत स्तर तक ले जाएंगे। तब 2,000 ऐसे विद्यालय प्रदेश में दिखाई देंगे जो बच्चों को उत्तम शिक्षा देने के माध्यम बनेंगे।इन विद्यालयों के बनने के बाद किसी भी गरीब का बच्चा उत्तम क्वॉलिटी की शिक्षा से वंचित नहीं रहने पाएगा। यह अटल आवासीय विद्यालय कक्षा 06 से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए हैं। इनमें कम्प्यूटर, स्किल डेवलपमेन्ट, खेलकूद की गतिविधियों तथा कला-संगीत की जानकारी दी जा रही है। विद्यालयों में खेल गतिविधियों के साथ-साथ हेल्थ चेकअप की भी व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत बच्चों का नियमित हेल्थ चेकअप किया जाएगा। जब बच्चे स्वस्थ होंगे, तभी स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे तथा अपनी बौद्धिक प्रतिभा का लाभ समाज को प्रदान कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों को सर्वांगीण विकास की ओर ले जाने की आवश्यकता है। उनका शारीरिक व मानसिक विकास इस प्रकार किया जाना चाहिए ताकि वह बौद्धिक रूप से परिपक्व हो सकें। बच्चों की प्रतिभा को बिना भेदभाव के समाज के सामने लाने की आवश्यकता है। उन्हें शैक्षिक, सामाजिक तथा व्यवहारिक शिक्षा प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। राष्ट्र प्रत्येक बच्चे की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उनके मन में देश व समाज के प्रति सम्पूर्ण समर्पण का भाव होना चाहिए। यदि वह इस भाव के साथ कार्य करेंगे तो स्व0 अटल जी की परिकल्पना को साकार करने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नियमित दिनचर्या विद्यार्थियों के जीवन का हिस्सा बनायी जानी चाहिए। यदि आप बच्चों के साथ मेहनत करेंगे तथा उनके मन में व्याप्त संशय को दूर करेंगे तो उन्हें भविष्य के पथ पर तेजी से अग्रसर होने में सहायता मिलेगी। उनकी प्रतिभा निखर कर सामने आएगी। आपका प्रयास होना चाहिए कि वर्ष में दो बार बच्चों के अभिभावकों को बुलाकर संवाद करें, ताकि वह देख सकें कि उनके बच्चों के भविष्य का निर्माण कैसे किया जा रहा है। अभिभावक बाहर जाकर अन्य पात्र बच्चों को विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकेंगे।

सुपर टाइफून यागी तूफान का कहर

वियतनाम में मरने वालों की संख्या 200 तक पहुंची

वियतनाम, एजेंसी।

वियतनाम में टाइफून यागी और उसके बाद भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या गुरुवार को लगभग 200 हो गई, जबकि स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विनाशकारी तूफान के बाद 125 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। वियतनाम के वीएनएक्सप्रेस अखबार ने बताया कि अब तक 197 लोग मारे गए हैं और 800 से अधिक घायल हुए हैं जबकि 128 अन्य लापता हैं। राजधानी हनोई में, रेड नदी से बाढ़ का पानी थोड़ा कम हुआ है लेकिन कई इलाके अभी भी जलमग्न हैं।

लोग ताई हो जिले की एक सड़क पर जाने के लिए अपने घुटनों से ऊपर गंदे भूरे पानी से होकर गुजरे और व्यापक विनाश के दृश्यों के बीच कुछ लोग छोटी नावों में सड़क पर चल रहे थे। हनोई में बाढ़ कथित तौर पर दो दशकों में सबसे भीषण बाढ़ है, और इसके कारण बड़े पैमाने पर निकासी हुई है। सप्ताह की शुरूआत में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हुई जब मंगलवार को उत्तरी वियतनाम के लाओ काई प्रांत में लैंग नु की पूरी बस्ती अचानक बाढ़ में बह गई। जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए सैकड़ों बचाव कर्मियों ने बुधवार को अथक प्रयास किया, लेकिन गुरुवार सुबह तक 53 ग्रामीण लापता थे, जबकि सात और शव मिले, जिससे वहां मरने वालों की संख्या 42 हो गई।

खास खबर

अर्जेंटीना में प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने किया तितर-बितर

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने तितर-बितर कर दिया है। यह जानकारी स्पूतनिक ने दी। हजारों लोगों ने कांग्रेस भवन के नजदीक सिटी सेंटर में बुधवार को एकत्र होकर पेंशन बढ़ाने के कानून पर राष्ट्रपति के वीटो का विरोध किया ।पुलिस ने उन रिपोर्टों के बाद लोगों को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। यह प्रदर्शन विपक्षी सांसद राष्ट्रपति के वीटो को रोक पाने में नाकाम रहने की रिपोर्टों के आने के बाद शुरू हुआथा।सौ मीटर पीछे से प्रदर्शनकारियों पर रबर की गोलियां और आंसू गैस का उपयोग कियागया ।

खालिदा जिया अस्पताल में भर्ती

ढाका। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को गुरुवार तड़के ढाका के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।मीडिया रिपोर्टों से यह जानकारी मिली। ढाका ट्रिब्यून ने मेडिकल बोर्ड के निर्णय का हवाला देते हुये बताया कि मैडम (खालिदा) को एवरकेयर अस्पताल ले जाय गया जहां उनके चिकित्सक प्रोफेसर एजेडएम जाहिद हुसैन ने उनके कई शारीरिक परीक्षणों के लिये कहा है।बीएनपी मीडिया सेल के सैरुल कबीर खान ने कहा कि सुश्री जिया अपने गुलशन घर से लगभग 1.40 बजे अस्पताल पहुंचीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले 21 अगस्त को सुश्री जिया 45 दिनों के इलाज के बाद अस्पताल से घर लौटी थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 23 जून को विशेषज्ञ सर्जनों की एक टीम ने उनकी छाती में पेसमेकर लगाया।

बंगलादेश के पूर्व सांसद भारत भागते समय सीमा पर गिरफ्तार

ढाका। बंगलादेश के बॉर्डर गार्ड बंगलादेश (बीजीबी) ने रावजान (चटगांव-6) के पूर्व सांसद ए बी एम फजले करीम चौधरी को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया है।स्थानीय अखबार ढाका ट्रिब्यून ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बीजीबी के जनसंपर्क अधिकारी शरीफुल इस्लाम ने पुष्टि की है कि श्री चौधरी को अखौरा, ब्राह्मणबरिया के पास सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में सरकार विरोधी छात्र आंदोलन के कारण पांच अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से पूर्व सांसद कथित रूप से छिपे हुए थे।

अनुष्का सेन बनीं सियोल

साउथ कोरिया के बिलबोर्ड पर फीचर होने वाली पहली इंडियन स्टार

मुंबई, एजेंसी।

अभिनेत्री अनुष्का सेन सियोल, साउथ कोरिया के बिलबोर्ड पर फीचर होने वाली पहली इंडियन स्टार बन गयी हैं।ग्लोबल स्टार अनुष्का सेन के दुनिया भर में बहुत सारे फैंस हैं। भारत में दर्शक उन्हें बहुत पसंद करते हैं, लेकिन ग्लोबल लेवल पर भी उनके आर्ट को खूब सराहा जाता है। ऐसे में भारत में सबका दिल जीतने वाली अनुष्का हाल ही में अपने एक सफल डिजिटल रिलीज के बाद, 22 साल की कम उम्र में बड़ी उपलब्धि अपने नाम करते हुए अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अनुष्का सेन की सोल, कोरिया में यात्रा के पहले दिन ही उनका स्वागत बहुत गर्मजोशी से हुआ। म्योंग-डोंग, सोल की अपनी पसंदीदा शॉपिंग स्ट्रीट पर उनके पोस्टर्स कई बिलबोर्ड्स पर दिखाई दिए।इतना ही नहीं, शहर के अन्य हिस्सों में भी उनके पोस्टर्स दिखे। यह किसी भी भारतीय स्टार के लिए दक्षिण कोरिया में बिलबोर्ड्स पर दिखने का पहला मौका था! अनुष्का सेन की पॉपुलैरिटी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके पोस्टर्स कोरिया की सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। ये कहना गलत नहीं होगा की यह उनके फैंस के लिए एक गर्व का पल है !यह किसी भी भारतीय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है कि उन्हें एक नए क्षेत्र में पहचान मिली है।अनुष्का सेन ने न सिर्फ भारत में बल्कि दक्षिण कोरिया में भी अपनी पॉपुलैरिटी को बढ़ाया है ! ऐसे में इस दौरान, उनके फैंस उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए उमड़ पड़े, लोगों का रिस्पॉन्स बताता है कि अनुष्का ने हम सभी को गर्व से भर दिया है ! प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण जैसी सेलिब्रिटीज ने वेस्ट में अपना नाम कमाया है, लेकिन अनुष्का एक अलग ग्लोबल स्टार के रूप में उभरी हैं, जो ईस्ट में अपना नाम कमा रही हैं।अनुष्का सेन को ली जंग-सब द्वारा डायरेक्टेड एंबिशियस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट 'एशिया' में फीचर किया जाएगा। वह दुनिया भर के एक्टर्स के बीच भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। फिल्म में, वह पहली बार एक हिटवुमन की भूमिका निभाएंगी और पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। अनुष्का सेन ने अपने अभिनय करियर में एक नया मुकाम हासिल किया है, और वह अपनी इस नई भूमिका से दर्शकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं !अनुष्का सेन कोरिया में बहुत पॉपुलर हो रही हैं और उन्हें कोरियाई सरकार के एक संगठन कोरिया ट्रेड ऑगेर्नाइजेशन ने टूरिज्म का ब्रांड अम्बेसडर बनाया था, जो यह दिखाता है कि वो एक ग्लोबल स्टार हैं ! उन्होंने भारत के लिए ईस्ट में एक नया रास्ता खोल दिया है, जहां पहले से ही दुनिया भर के युवा आकर्षित हो रहे हैं। अनुष्का सेन ने भारत को ग्लोबल लेवल पर रिप्रेजेंट करने का एक नया मौका दिया है और उनकी पॉपुलैरिटी कोरिया में भारत के लिए एक नई शुरूआत है !अनुष्का न सिर्फ एक नए क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही हैं, बल्कि एक ग्लोबल स्टार बन गई हैं, जो शोहरत की परिभाषा को बदल रही है। ग्लोबल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली अनुष्का सेन पहली स्टार हैं जो कोरियन ड्रीम को भारत में ला रही हैं, जिसपर हमें गर्व हो रहा है ! इस तरह से वह एक नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन गई हैं और दिखा रही हैं कि इंडियन टेलेंट ग्लोबल लेवल पर पहचान पा सकता है।

घर लेने वालों को मिल सकती है करों में राहत

रियल एस्टेट सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और जीएसटी के नियम इस पर गहरा असर डालते हैं। नौ सितंबर को होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में रियल एस्टेट सेक्टर के लिए कई अहम बदलावों की किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब रियल एस्टेट क्षेत्र महामारी के बाद फिर से गति पकड़ रहा है और कराधान संबंधी कोई भी बदलाव इसका भविष्य निर्धारित कर सकते हैं।

कौन से बदलाव संभव

जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है, जिनका प्रभाव इस क्षेत्र के भविष्य पर पड़ेगा। कंप्लीशन सर्टिफिकेट से जुड़ी टैक्स की अस्पष्टताओं को दूर करने, जमीन की कीमत को कुल कीमत से अलग कर कराधान करने और वाणिज्यिक संपत्तियों पर रिवर्स चार्ज लागू करने जैसे फैसले रियल एस्टेट क्षेत्र की दिशा तय करेंगे। इन बदलावों से जहां खरीदारों को राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं किराएदारों के लिए कुछ नई चुनौतियां भी उत्पन्न हो सकती है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जीएसटी काउंसिल के निर्णय किस तरह से रियल एस्टेट क्षेत्र को आगे बढ़ाने में सहायक होते है और क्या बदलाव सामने आते है।

रियल एस्टेट सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे उपायों का असर अब दिखने लगा है। कोरोना महामारी के दौरान लगभग डूब चुका यह क्षेत्र अब फिर रफ्तार पकड़ रहा है। सरकार इसकी रफ्तार को और ज्यादा तेज करने के लिए रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े कराधान नियमों को आसान बनाने की कोशिश कर रही है। आइए देखते हैं कि वे कौन से नियम हैं जिनमें भविष्य में बदलाव संभव है और इन बदलावों का घर के खरीदारों, किराएदारों और डेवलपर्स पर क्या असर पड़ने वाला है

कंप्लीशन सर्टिफिकेट

कंप्लीशन सर्टिफिकेट को लेकर रियल एस्टेट क्षेत्र में जीएसटी के अंतर्गत कई अस्पष्टताएं रही हैं। काउंसिल इस बार प्रीफेंशियल लोकेशन चार्जेस और निर्माण सेवाओं (कंस्ट्रक्शन सर्विस) को समग्र आपूर्ति में शामिल करने पर स्पष्टता दे सकती है। इसका उद्देश्य यह होगा कि कर की गणना मुख्य सेवा, यानी निर्माण सेवाओं के आधार पर की जा सकेगी। इस बदलाव से टैक्स गणना की प्रक्रिया डेवलपर्स और खरीदार दोनों के लिए अधिक सरल हो जाएगी, जिससे कर प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। इससे टैक्स चोरी पर भी नियंत्रण किया जा सकता है, जो वर्तमान में एक बड़ी चिंता का विषय है।

...तो प्रापर्टी प्राइस में जमीन के दाम घटाकर लगेगा कर

रियल एस्टेट सेक्टर के लिए एक और प्रमुख मुद्दा जमीन की कीमत पर कराधान है। फिलहाल, प्रापर्टी की कुल कीमत पर जीएसटी लागू होता है, जिसमें जमीन की लागत भी शामिल होती है। काउंसिल अब यह प्रस्तावित कर सकती है कि जमीन की कीमत को कुल बिक्री मूल्य से घटाया जाए और केवल निर्माण सेवाओं पर जीएसटी लगाया जाए। यह बदलाव प्रापर्टी की कीमतों में संभावित रूप से कमी ला सकता है और खरीदारों को लाभ पहुंचा सकता है। यदि जमीन की कीमत पर जीएसटी की गणना नहीं की जाती, तो घर खरीदने की लागत कम हो सकती है, जिससे यह कदम रियल एस्टेट बाजार को गति दे सकता है।

किराएदारों पर बढ़ सकता है बोझ

जीएसटी काउंसिल संभवतः वाणिज्यिक संपत्तियों के किराए पर 18% जीएसटी को रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत लाने पर विचार कर रही है। इसका सीधा अर्थ यह है कि अब किराएदारों को यह टैक्स चुकाना होगा, जो पहले मकान मालिक की जिम्मेदारी होती थी। यह कदम टैक्स की चोरी को रोकने और टैक्स प्रणाली में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से उठाया जा सकता है। मकान मालिकों के लिए यह राहतकारी हो सकता है, जबकि किराएदारों के लिए यह अतिरिक्त वित्तीय भार बन सकता है।

संपत्ति क्षेत्र को मिलेगी रफ्तार

अगर इन नियमों पर जीएसटी काउंसिल की बैठक में सकारात्मक निर्णय आया तो ररियल एस्टेट सेक्टर ज्यादा तेजी से आगे बढ़ेगा जिसका लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा। इसके अलावा जब घर की कीमत में से जमीन के दाम घटाने के बाद कराधान किया जाएगा तो घर खरीदने वालों को कुछ सस्ता घर मिलने का रास्ता भी साफ होगा। साथ ही कंप्लीशन सर्टिफिकेट को लेकर नियमों में स्पष्टता आने से इस पर टैक्स की गणना बायर्स और सेलर्स दोनों के लिए ही आसान हो जाएगी। ■

पेज 1 का शेष

हर 4 माह में बदलेंगे जिलों....

सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। स्वच्छता का यह अभियान जन आन्दोलन बने, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद के प्रभारी मंत्री के रूप में मंत्रिगण प्रत्येक माह में कम से कम एक बार 24 घण्टे के लिए अपने प्रभार के जनपद में प्रवास करेंगे। शासन से सम्बन्धित मुद्दों को प्रभारी मंत्री कोर कमेटी से चर्चा कर-के विस्तृत रिपोर्ट तैयार करते हुए प्रत्येक माह शासन के सम्बन्धित विभाग व मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्तुत करेंगे।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद के सम्मानित प्रबुद्ध नागरिक, धमार्चार्यों, प्रगतिशील किसानों, व्यापारिक संगठनों सहित सामाजिक नेताओं के समूहों में से किसी एक के साथ प्रत्येक प्रवास में बैठक अवश्य होनी चाहिए। जनपद की समीक्षा बैठक में जन शिकायतों को मेरिट के आधार पर निस्तारित किया जाना अपेक्षित है। कानून व सुरक्षा सम्बन्धी विषयों, राजस्व विभाग से जुड़े हुए विषयों जैसे वरासत, पैमाइश, नामान्तरण, लैण्ड यूज सहित आई0जी0आर0एस0, सी0एम0 हेल्प लाइन आदि की समीक्षा कर मेरिट के आधार पर निस्तारण कराया जाए। इसकी विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय और सम्बन्धित विभाग को अनिवार्य रूप से भेजी जानी चाहिए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रवास के दौरान केन्द्र और राज्य सरकार की विकास परियोजनाओं एवं लोककल्याणकारी योजनाओं का भौतिक सत्यापन भी होना चाहिए। निराश्रित गो-आश्रय स्थलों, ग्राम सचिवालय, क्रय केन्द्र, फेयर प्राइस शॉप, कृषि विज्ञान केन्द्र में से किसी एक का भौतिक निरीक्षण प्रवास के दौरान करना अपेक्षित है। अटल आवासीय विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, राजकीय महाविद्यालयों, निमार्णाधीन कस्तूरबा गांधी विद्यालय, विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण एवं पॉलीटेक्निक/आई0टी0आई0 के संचालन की भी समीक्षा की जाए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्थानीय पर्यटन विकास की सम्भावनाओं की तलाश कर उनके प्रचार-प्रसार पर चर्चा होनी चाहिए। जनपद में प्राप्त निवेश प्रस्तावों की समीक्षा कर उद्यमी मित्रों और स्थानीय बैंकर्स के साथ चर्चा की जाए। जनपद में जिला प्रशासन/पुलिस प्रशासन के साथ यातायात समस्या के सम्बन्ध में बैठक की जाए। जनपद में सड़क सुरक्षा के उपायों की समीक्षा करें। जनपद की समीक्षा बैठक में आकांक्षात्मक विकास खण्डों की समीक्षा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/जिला चिकित्सालय/मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की जाए। आयुष्मान कार्ड, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सालयों में चिकित्सकों/पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता, आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ग्राम सचिवालयों के निर्माण एवं गाँव में तैनात कार्मिकों की उपस्थिति आदि का निरीक्षण किया जाना आवश्यक है।

केजरीवाल को जेल या बेल!.....

से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को विशेष अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ और फिर 26 जून को गिरफ्तार किया था।शीर्ष अदालत ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज मुकदमे में केजरीवाल को 12 जुलाई को अंतरिम जमानत दे दी थी। यदि सीबीआई की ओर से जून में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया होता तो वह जेल से रिहा कर दिए गए होते।शीर्ष अदालत ने इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्हें अंतरिम जमानत दी थी।आबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं के आरोप के आधार पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 अगस्त 2022 को एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने 22 अगस्त 2022 को धनशोधन का मामला दर्ज किया था। शुरू में मुख्यमंत्री केजरीवाल का नाम आरोपियों में नहीं था।सीबीआई मामले में शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को जमानत दिए जाने की दलीलों का पुरजोर विरोध करते हुए कहा था कि अधिनस्थ अदालत को दरकिनार करने की अनुमति केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दी जा सकती है।इस पर श्री केजरीवाल पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता श्री सिंघवी ने दलील दी थी कि सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत आरोपी को नोटिस जारी करने के संबंध में वर्तमान याचिका में उठाए गए आधारों पर हिरासत के दौरान बहस की गई थी। इसके बाद विशेष अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। इसलिए याचिकाकर्ता को फिर से उसी मुद्दे पर वहां बहस करने के लिए वापस भेजना न्यायोचित नहीं होगा।पीठ के समक्ष गुरुवार पांच सितंबर 2024 को श्री सिंघवी ने कहा, शायद यह एकमात्र ऐसा मामला है, जिसमें मुझे (केजरीवाल) इस अदालत से सख्त धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दो रिहाई आदेश मिले।उच्च न्यायालय से एक और विस्तृत आदेश मिला। फिर सीबीआई द्वारा पहले से तय गिरफ्तारी हुई।शीर्ष अदालत को श्री सिंघवी ने यह भी बताया कि केजरीवाल का नाम 2022 में दर्ज मुकदमे में नहीं था और उन्हें इस साल 2024 जून में गिरफ्तार किया गया था।उन्होंने कहा, त्तीन अदालती आदेश मेरे पक्ष में हैं। यह एक पहले से तय की गई गिरफ्तारी है, ताकि उन्हें (मुख्यमंत्री) जेल में रखा जा सके।वरिष्ठ अधिवक्ता ने मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रखते हुए आगे कहा, त्सबूतों के साथ छेड़छाड़ का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि लाखों दस्तावेज हैं, जिनमें से कई तो डिजिटल हैं। उनके मुवक्किल न्यायिक हिरासत में रहते हुए गवाहों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं और इस मामले में पांच आरोप पत्र भी दाखिल किए गए हैं।

भड़के योगी के.....

घटना, समाजवादी पार्टी हमेशा अपराधियों के समर्थन में रही है। जिसके यहां अपराध हुआ उस ज्वेलर्स के समर्थन समाजवादी पार्टी के मुखिया की तरफ से एक भी शब्द नहीं निकले। समाजवादी पार्टी अपराधियों के साथ खड़ी रहती है। जिस बेटी के साथ रेप हुआ है, सपा उसकी बजाय अपराधियों के साथ खड़ी नजर आयी।सुल्तानपुर घटना में वांछित अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के एनकाउंटर पर अब समाजवादी पार्टी जाति के आधार पर उसके समर्थन में जुट गई है। हमारे सरकार की प्रतिबद्धता है कि अपराधी अपराधी होता है, अपराधी कोई जाति नहीं होता। हमारे साथ सर्व समाज के लोग जुड़े हुए हैं। घटना में वांछितों के घर से लूट का 2.5 किलो से अधिक सोना बरामद हुआ। जनता जानती है कि समाजवादी पार्टी की जब-जब सरकार रही है, अपराधियों को पुष्पित पल्लवित करती रहती है। सपा राज में राजधानी लखनऊ में हजरतगंज के क्षेत्राधिकारी को लोहिया वाहिनी के गुंडो ने बोनट पर घुमाया था। जीप को ले जाकर एसएसपी लखनऊ के बंगले में घुसा दिया गया था। आज तक उस घटना में कितनों की सजा हुई। यह समाजवादी पार्टी जानती है। बदायूं और मथुरा के जवाहर बाग कांड को कौन भूल सकता है। इसमें पुलिस अधिकारी वीरगति को प्राप्त हुए थे। मुजफ्फरनगर में हमारी एक बहन बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ था। मुजफ्फरनगर दंगे में कितने निर्दोष मारे गए थे, समाजवादी पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए।

मठाधीश-माफिया में फर्क.....

में तमाम एनकाउण्टरों पर उंगली उठी है। नोएडा में एक जिम इन्सट्रक्टर का झूठा एनकाउण्टर हुआ था तब भी हम लोगों ने मामला उठाया था कि पुलिस वालों ने लूट के लिए एनकाउण्टर किया है उस पर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। अभी तक प्रदेश में जितने भी झूठे एनकाउण्टर के नाम पर हत्याएं हुई है। उसमें सबसे ज्यादा पीडीए परिवार की हुई है। सरकार एनकाउण्टर से लोगों को डराना चाहती है। बदनाम करने के लिए जानबूझ कर ढूंढ़-ढूंढ़कर एनकाउण्टर किया जा रहा है। अधिकारी रात भर एनकाउण्टर की रणनीति बनाते हैं और यह भी रणनीति बनाते हैं कि हत्या करने पर वे कैसे बच सकते है। जब इस तरह के अधिकारी हैं तो उनसे कैसे न्याय मिलेगा? श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम जनता को न्याय दिलाने के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष करेंगे। इसके लिए भी जैसा भी संघर्ष करना पड़ेगा समाजवादी लोग पीछे नहीं रहेंगे।

अयोध्या में चल रही है जमीन की.....

दामों में जमीने ले लीं मगर समाजवादी पार्टी गरीबो के साथ है।श्री यादव ने कहा कि वे विकास के खिलाफ नहीं है। अयोध्या एक वर्ल्ड क्लास सिटी बने, इसके लिए वह हर सहयोग को तैयार हैं मगर विकास के लिये दिमाग का होना जरूरी है जो भाजपा के नेताओं के पास नहीं है। दो साल बाद जब समाजवादी सरकार आएगी तो न सिर्फ अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी बनायेंगे बल्कि गरीबों को सर्किल रेट बढाकर मुआवजा दिया जाएगा।सुल्तानपुर की घटना का जिक्र करते हुये उन्होने कहा कि पुलिस एनकाउंटर के नाम पर हत्यायें कर रही हैं। मंगेश यादव एनकाउंटर केस में गांव वाले भी कहते है कि पुलिस रात में उठाकर ले गयी,उसके पास से जो मोटरसाइकिल मिली उसकी चोरी की रिपोर्ट घटना के कई दिन बाद लिखी गयी। मंगेश यादव के पास नया बैग मिला,उस बैग में नए कपड़े मिले। दरअसल यह एनकाउंटर नहीं बल्कि हत्या थी और यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले तमाम एनकाउंटर हुए जिनमें सबसे ज्यादा पीडीए परिवार के लोग मारे गए। उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुये कहा कि जिसका दिल दिमाग नाकारात्मक हो उससे विकास की क्या उम्मीद कर सकते हैं। अगर दिमाग होता तो पुलिस चप्पल में एनकाउंटर न करती। ये सरकार लूट के साथ डर दिखाकर एनकाउंटर कर रही है। जो अधिकारी रात में हत्या की रणनीति बनाएं,उनसे न्याय की क्या उम्मीद की जा सकती है।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक जूही सिन्हा द्वारा रूद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।